



हिन्दी में

# श्री गणेश चालीसा

आरती और पूजा विधि सहित

# ॥ श्री गणेश चालीसा ॥

## ॥ दोहा ॥

जय गणपति सद्गुण सदन कविवर बदन कृपाल।  
विघ्न हरण मंगल करण जय जय गिरिजालाल॥

## ॥ चौपाई ॥

जय जय जय गणपति राजू। मंगल भरण करण शुभ काजू॥ जय गजबदन सदन सुखदाता। विश्व विनायक बुद्धि विधाता॥  
वक्र तुण्ड शुचि शुण्ड सुहावन। तिलक त्रिपुण्ड भाल मन भावन॥ राजित मणि मुक्तन उर माला। स्वर्ण मुकुट शिर नयन विशाला॥  
पुस्तक पाणि कुठार त्रिशूलं। मोदक भोग सुगन्धित फूलं॥ सुन्दर पीताम्बर तन साजित। चरण पादुका मुनि मन राजित॥  
धनि शिवसुवन षडानन भ्राता। गौरी ललन विश्व-विधाता॥ ऋद्धि सिद्धि तव चँवर डुलावे। मूषक वाहन सोहत द्वारे॥  
कहौ जन्म शुभ कथा तुम्हारी। अति शुचि पावन मंगल कारी॥ एक समय गिरिराज कुमारी। पुत्र हेतु तप कीन्हा भारी॥  
भयो यज्ञ जब पूर्ण अनूपा। तब पहंच्यो तुम धरि द्विज रूपा। अतिथि जानि कै गौरी सुखारी। बहु विधि सेवा करी तुम्हारी॥  
अति प्रसन्न है तुम वर दीन्हा। मातु पुत्र हित जो तप कीन्हा॥ मिलहि पुत्र तुहि बुद्धि विशाला। बिना गर्भ धारण यहि काला॥  
गणनायक गुण ज्ञान निधाना। पूजित प्रथम रूप भगवाना॥ अस कहि अन्तर्धान रूप है। पलना पर बालक स्वरूप है॥

बनि शिशु रुदन जबहि तुम ठाना। लखि मुख सुख नहिं गौरि समाना॥सकल मगन सुख मंगल गावहिं। नभ ते सुरन सुमन वर्षावहिं॥  
 शम्भु उमा बहुदान लुटावहिं। सुर मुनि जन सुत देखन आवहिं॥लखि अति आनन्द मंगल साजा। देखन भी आए शनि राजा॥  
 निज अवगुण गुनि शनि मन माहीं। बालक देखन चाहत नाहीं॥गिरजा कछु मन भेद बढ़ायो। उत्सव मोर न शनि तुहि भायो॥  
 कहन लगे शनि मन सकुचाई। का करिहौ शिशु मोहि दिखाई॥नहिं विश्वास उमा कर भयऊ। शनि सों बालक देखन कह्यऊ॥  
 पड़तहिं शनि दृग कोण प्रकाशा। बालक शिर उड़ि गयो आकाशा॥गिरजा गिरीं विकल है धरणी। सो दुख दशा गयो नहिं वरणी॥  
 हाहाकार मच्यो कैलाशा। शनि कीन्ह्यों लखि सुत को नाशा॥तुरत गरुड़ चढ़ि विष्णु सिधाए। काटि चक्र सो गज शिर लाए॥  
 बालक के धड़ ऊपर धारयो। प्राण मन्त्र पढ़ शंकर डारयो॥नाम गणेश शम्भु तब कीन्हे। प्रथम पूज्य बुद्धि निधि वर दीन्हे॥  
 बुद्धि परीक्षा जब शिव कीन्हा। पृथ्वी की प्रदक्षिणा लीन्हा॥चले षडानन भरमि भुलाई। रची बैठ तुम बुद्धि उपाई॥  
 चरण मातु-पितु के धर लीन्हें। तिनके सात प्रदक्षिण कीन्हें॥धनि गणेश कहि शिव हिय हरषे। नभ ते सुरन सुमन बहु बरसे॥  
 तुम्हरी महिमा बुद्धि बढ़ाई। शेष सहस्र मुख सकै न गाई॥मैं मति हीन मलीन दुखारी। करहुँ कौन बिधि विनय तुम्हारी॥  
 भजत रामसुन्दर प्रभुदासा। लख प्रयाग ककरा दुर्वासा॥अब प्रभु दया दीन पर कीजै। अपनी शक्ति भक्ति कुछ दीजै॥

## ॥ दोहा ॥

श्री गणेश यह चालीसा पाठ करें धर ध्यान। नित नव मंगल गृह बसै लहे जगत सन्मान॥  
 सम्वत् अपन सहस्र दश ऋषि पंचमी दिनेश। पूरण चालीसा भयो मंगल मूर्ति गणेश॥

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

# ॥ श्री गणेश जी की आरती ॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा। माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

एकदन्त दयावन्त चारभुजाधारी। माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी॥

पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा। लड्डुअन का भोग लगे सन्त करें सेवा॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा। माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

अन्धे को आँख देत, कोढ़िन को काया। बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया॥

‘सूर’ श्याम शरण आए सफल कीजे सेवा। माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा। माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

• जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

जय गणेश जय गणेश

# ॥ श्री गणेश जी की पूजा विधि ॥

## गणेश जी की पूजा-अर्चना / पूजा विधि इस प्रकार है :-

- ❖ स्नानादि कर पवित्र हो जाएं। जिस स्थल पर प्रतिमा विराजमान करनी है, उसे साफ करें। गंगाजल डाल कर पवित्र करें।
- ❖ भगवान गणेश की प्रतिमा को चौकी पर पीले रंग का कपड़ा बिछाकर विराजमान करें।
- ❖ धूप, दीप और अगरबत्ती जलाएं। ध्यान रखें कि जब तक गणेश जी आपके घर में रहेंगे तब तक अखंड दीपक जलाकर रखें।
- ❖ गणेश जी के मस्तक पर कुमकुम का तिलक लगाएं।
- ❖ फिर चावल, दुर्वा घास और पुष्प अर्पित करें।
- ❖ गणेश जी का स्मरण कर गणेश स्तुति और गणेश चालीसा का पाठ करें।
- ❖ इसके बाद ॐ गं गणपते नमः का जप करें।
- ❖ भगवान गणेश की आरती करें।
- ❖ आरती के बाद गणेश जी को फल या मिठाई आदि का भोग लगाएं। संभव हो तो मोदक का भोग जरूर लगाएं। भगवान गणेश को मोदक प्रिय हैं।
- ❖ रात्रि जागरण करें।
- ❖ गणेश जी को जब तक अपने घर में रखें, उन्हें अकेला न छोड़ें। कोई न कोई व्यक्ति हर समय गणेश जी की प्रतिमा के पास रहे।



Hi! We're InstaPDF. A dedicated portal where one can download any kind of PDF files for free, **with just a single click.**

<https://instapdf.in>